श्रीपति निज माया तब प्रेरी। सुनहु कठिन करनी तेहि केरी।।
राम रमापति कर धनु लेहू। खैंचहु मिटै मोर संदेहू।।
भूमि सप्त सागर मेखला। एक भूप रघुपति कोसला।।

|| Ram Katha 969 - ※मानस त्रिपति || Tirupati || मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 163 | इंदौर, शनिवार 27 दिसंबर, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

हिंदू पहचान विनम्रता और विशालता दोनों का प्रतीक है : मोरारी बापू

तिरुपति में चल रही अपनी रामकथा के दौरान बोलते हुए मोरारी बापू ने कहा कि "बांग्लादेश में परिस्थितियां बहुत खराब होती जा रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब हिंदुओं के दर्द को और लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी इन घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है।' मोरारी बापू ने सवाल किया कि हिंदू होना कोई अपराध की तरह क्यों माना जा रहा है। उन्होंने पूछा- "मेरी समझ में यह नहीं आ रहा कि आखिर हिंदुओं की क्या गलती है?' हिंदू धर्म के आध्यात्मिक दर्शन पर विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू पहचान विनम्रता और विशालता दोनों का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा, "हिंदू एक 'बिंदु' है, यानी अहंकार रहित एक छोटा सा बिंदु, लेकिन साथ ही वह 'सिंधु' भी है- समुद्र की तरह विशाल और अनंत।'

मोरारी बापू तिरुपति बालाजी 20 दिसंबर से राम कथा-मानस त्रिपति का गान कर रहे है जो 28 दिसंबर तक चलेगी। बापू के कुल कथाक्रम की यह 969वीं कथा है।

तिरुपति बालाजी मंदिर सनातन वैदिक धर्म परंपरा का एक बहुत पुराना तीर्थ स्थल है। वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में दुनिया के किसी भी धर्म स्थल से ज्यादा दर्शनार्थी रोजाना आते हैं और सबसे ज्यादा विश्व का सब से ज्यादा आय वाले तीर्थ स्थलों में से एक माना जाता है। इस मशहूर तीर्थ स्थल से कई चमत्कारी किंवदंतियाँ जुड़ी हैं। हर हिंदू सनातनी, अपनी ज़िंदगी में एक बार इस तीर्थ स्थल पर जाने की इच्छा रखता है।

ऐसी परम धाम पर मोरारी बापू द्वारा राम कथा गाई जा रही है। व्यासवाटिका के फ्लावर्स इस तीर्थ स्थल पर गाई जा रही कथा केआनंद और रस में डूबे हुए है।

कथा के मनोरथी श्री प्रवीणभाई तन्ना हैं। गुजरात के यह कच्छी माडू पूरी तरह व्यासपीठ को समर्पित हैं। प्रवीणभाई, व्यासपीठ की सेवा को सबसे बड़ा धर्म समझने वाला यह मनोरथी, हमेशा व्यासपीठ की सेवा का मौका पाने के लिए बेताब रहते हैं। जब उन्हें ऐसा मौका मिलता है, तो वे इसे अपनी सबसे बड़ी खुशकिस्मती मानते हैं। वे कहते हैं कि यह उनके कर्मों का फल नहीं है, यह केवल और केवल कृपा है।

5 सौभाग्य हमारे...5 महालक्ष्मी..

■ गुरु की पादुका ■ यज्ञ ■ तुलसी ■ सद्ग्रंथ ■ माला

श्रेष्ठ को प्राप्त करने के लिए तप जरुरी है... यदि श्रेष्ठ को पाना है तो.... निकृष्ट को प्राप्त करने के लिए नेटवर्क पर्याप्त है... छोटा सा नेटवर्क करो.... निकृष्ट की प्राप्ति.... श्रेष्ठ की प्राप्ति बिना तपस्या हो ही नहीं सकती...

यहां अच्छा है इस तिरूमलई पहाड़ पर... यहां वेजीटेरियन ही है... नॉनवेज अलाउड ही नहीं... विदेशी खुराक भी शायद अलाउड नहीं... पिज्जा सब... प्लास्टिक भी अलाउड नहीं है... मैं तो विनम्रता से कहूं... भारत के जो प्रधान तीर्थ स्थान है...यहां से प्रेरणा लेनी चाहिए... स्वच्छता तो देखो... कहीं भी जाओ साहब... स्वच्छता तो देखो... मैं जब से आया हूं तब से कह रहा हूं.... जहां-जहां हमारे परम तीर्थ हैं... स्वच्छता के बारे में तिरुपति गजब है...ये प्रेरणा लेनी चाहिए...जिस जिस राज्य में जो जो महातीर्थ हो... वहां के जवाबदार व्यक्तियों को यहां से lesson (सीख) लेना चाहिए... विनय करता हूं....

प्रेम को तीसरी आंख मैं कहता हूँ.... ध्यान रखो....
दाईं आंख सत्य है... बाईं आंख करूणा है....बीच में प्रेम है....
प्रेम काम को जला देगा... आदमी को निष्काम कर देगा... क्योंकि काम इंद्रियों में रहता है... प्रेम हृदय में रहता है... जब प्रेम की आंख खुलती है तो काम को जला देती है... शिव की तीसरी आंख...

रेस्क्यू मादा तेंदुआ चिड़ियाघर में, वन विभाग ने नहीं लिया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। महू से इंदौर रेस्क्यू कर लाई गई घायल मादा तेंदुए को वन विभाग वापस लेने में आनाकानी कर रहा है। जानकारी के अनुसार, इंदौर पहुंचने पर मादा तेंदुए का एक पंजा पहले से घायल था। चिड़ियाघर के डॉक्टर ने पंजे को उसके पैर से अलग कर लगभग स्वस्थ कर दिया।

इसके बाद से ही इंदौर चिड़ियाघर प्रबंधन ने कई बार लिखित और मौखिक रूप से वन विभाग इंदौर से अनुरोध किया कि इसे अपने रेस्क्यू सेंटर, भोपाल फॉरेस्ट, ले जाए। लेकिन वन विभाग अब इसे वापस लेने में आनाकानी कर रहा है। इंदौर वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वे इस मामले में भोपाल के वन विहार सहित प्रदेश के अन्य फॉरेस्ट रेस्क्यू सेंटर के अधिकारियों से लगातार संपर्क में हैं, लेकिन किसी भी रेस्क्यू सेंटर में जगह उपलब्ध नहीं है। चिड़ियाघर प्रबंधन के अनुसार, उनके यहां भी जगह सीमित है और वे मादा तेंदुए को अधिक समय तक नहीं रख सकते। महू से तेंदुआ को वन विभाग के शिकारी के फंदे से बचाकर लाया गया था। तब इसके एक पैर में फ्रैक्चर और पंजा घायल था। इलाज के दौरान पैर में प्लास्टर बांधा गया, लेकिन तेंदुए ने उसे चीर-फाड़ कर घायल पंजे को भी कुतर दिया। इंफेक्शन से बचाने के लिए पैर की सर्जरी करनी पड़ी। अब यह तेंदुआ केवल तीन पंजों पर चल-फिर सकती है, इसलिए इसे जंगल में छोड़ना संभव नहीं है। दतोदा हरसोला रोड के पास तीखी पहाड़ी पर लगभग 5-6 साल की मादा तेंदुआ क्लच वायर की बाड़ में फसी मिली थी। यह घटना नवंबर महीने के दोपहर लगभग 12:30 बजे हुई थी। सूचना मिलते ही महू और इंदौर के वन अधिकारी तथा रालामंडल रेस्क्यू टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और तेंदुए को रेस्क्यू कर इंदौर चिड़ियाघर भेजा गया।

युवक से 8 लाख की साइबर ठगी

42 लाख मुनाफे का दिखाया लालच

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एक युवक फेसबुक पर हुई दोस्ती के बाद संगठित साइबर ठगी का शिकार हो गया। करीब एक माह तक बातचीत का भरोसा बनाने के बाद ठगों ने उसे क्रिप्टो करेंसी USDT में निवेश के नाम पर जाल में फंसा लिया और लाखों रुपए हड़प लिए।

राजेन्द्र नगर थाना पुलिस ने पीड़ित नीरज भागवत, निवासी शिव सागर कॉलोनी की शिकायत पर सुनीता कुमारी सहित अन्य अज्ञात खाताधारकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नीरज प्राइवेट नौकरी करते हैं। अगस्त माह में सुनीता नाम की युवती ने उन्हें फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। धीरे-धीरे बातचीत फेसबुक मैसेंजर से व्हाट्सएप तक पहुंची। एक महीने की चैटिंग के बाद सुनीता ने उन्हें USDT में निवेश का प्रस्ताव दिया और एक कंपनी का लिंक भेजा। लिंक के जरिए नीरज की एक आईडी बनाई गई, जहां बलवीर नामक व्यक्ति उनसे संपर्क में आया। पहली बार नीरज से 15 हजार रुपए निवेश करवाए गए, जिसमें उन्हें 2500 रुपए का मुनाफा दिखाया गया। इससे भरोसा बढ़ा। इसके बाद बलवीर ने ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर एक नया लिंक भेजा और नया एग्रीमेंट करवाया। फिर नीरज से 21 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कराए गए। बलवीर को 13 हजार रुपए कमीशन देने के बाद नीरज के खाते में 62 हजार रुपए का प्रॉफिट दिखाया गया। इसके बाद ठगों ने 5 दिन की ट्रेडिंग कराने की बात कही। चौथे दिन तक मुनाफा न होने पर नीरज ने ट्रेडिंग छोड़ने की इच्छा जताई। इस पर ठगों ने कहा कि कंपनी की शर्त के अनुसार ट्रेडिंग छोड़ने पर पहले मिले मुनाफे का 50% पेनल्टी लगेगा। आखिरी दिन नीरज के अकाउंट में 42 लाख रुपए का प्रॉफिट दिखाया गया, लेकिन इसे निकालने के लिए पहले 30% कमीशन यानी करीब 12 लाख रुपए जमा करने की मांग कर दी गई।

पुलिसकर्मी से अभद्रता करने वाले इन्फ्लुएंसर ने मांगी माफी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हीरानगर क्षेत्र में पुलिसकर्मी के साथ बदसलूकी करने का मामला अब गिरफ्तारी तक पहुंच गया है। मंगलवार रात को हुई इस घटना के बाद आरोपी इन्फ्लुएंसर सोनू उर्फ पंकज वर्मा और उसके साथियों ने पुलिस के सामने समर्पण कर दिया है।

शुक्रवार को इन्फ्लुएंसर सोनू वर्मा, आदित्य वैष्णव और उनके अन्य साथी इंदौर क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के कार्यालय पहुंचे। यहां सभी आरोपियों ने सामूहिक रूप से अपने कृत्य के लिए माफी मांगी। उन्होंने स्वीकार किया कि गुस्से में आकर उन्होंने पुलिसकर्मी के साथ बहस और बदतमीजी की थी। इन्फ्लुएंसर्स ने यह भी कहा कि वे भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं दोहराएंगे। माफीनामा सुनने के बाद एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने उन्हें कड़ी समझाइश दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स होने के नाते समाज में उनका एक चेहरा होता है, इसलिए उन्हें न तो ऐसा विवादित कंटेंट बनाना चाहिए और न ही कानून का उल्लंघन करना चाहिए। इसके तुरंत बाद एडिशनल डीसीपी ने हीरानगर पुलिस को आरोपियों को हिरासत में लेने के निर्देश दिए, जिसके बाद उनकी औपचारिक गिरफ्तारी की गई। यह विवाद मंगलवार रात को स्कीम नंबर 136 स्थित द जंगल कैफे के पास शुरू हुआ था। ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल गोरख खेम के साथ सोनू वर्मा और आदित्य वैष्णव ने अभद्रता की थी। इन लोगों ने अपना रुतबा दिखाते हुए पुलिसकर्मी को थप्पड़ मारने की धमकी दी थी और उन पर माफी मांगने का दबाव बनाया था। इतना ही नहीं, इन लोगों ने एक घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाने में भी बाधा उत्पन्न की थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी सोनू वर्मा का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ लसूड़िया थाने में नशीले पदार्थों (गांजा) के सेवन का मामला पहले से दर्ज है। ताजा मामले में शासकीय कार्य में बाधा डालने की धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है।

अभिनेता ब्रजेंद्र काला ने कहा सिनेमा में 'ताजी हवा' के लिए गांवों की ओर लौटना जरूरी

इंदौर। मध्य प्रदेश में बीते एक दशक से कई फिल्मों और वेब सीरीज का निर्माण हो रहा है। मैं खुद चंदेरी, भोपाल और पीथमपुर में फिल्मों की शूटिंग कर चुका हूँ। फिल्मों के लिहाज से मध्य प्रदेश की लोकेशन्स में ताजगी है और काफी कुछ मध्य प्रदेश के हिस्सों को दिखाया जाना बाकी है। यह बात अभिनेता ब्रजेंद्र काला ने इंदौर प्रवास के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में अब फिल्म निर्माण के लिए इको-सिस्टम तैयार हो चुका है। वैसे तो देश ही फिल्म सिटी है, अलग से कोई फिल्म सिटी बनाने की जरूरत नहीं है। काला ने कहा कि मध्य प्रदेश में पहले से फिल्में बनती आ रही हैं, लेकिन अभी काम ज्यादा है। यहाँ फिल्म निर्माण पर सरकार सब्सिडी भी दे रही है, इससे भी निर्माता आकर्षित होते हैं। मध्य प्रदेश की लोकेशन्स में ताजगी भी है। काला ने कहा कि हमारे सिनेमा की शुरुआत ग्रामीण अंचलों से हुई थी। धीरे-धीरे फ्रेम में शहर और मेट्रो सिटी आने लगीं। अब हम फिल्मों में शहरों को काफी कुछ दिखा चुके हैं। हम फिल्मों में उन्हें इतना दिखा चुके हैं कि नयापन लगना खत्म हो गया था। अब लोग कुछ फ्रेश मांग रहे थे। आजकल AQI (एक्यूआई) की बात होती है, तो समझ लीजिए कि ज्यादा फिल्मों के कारण 'प्रदूषण' हो चुका था। फिर हमें ताजा हवा चाहिए थी, तो हम फिर गांवों की तरफ लौटे। सिनेमा के बहाने ही गांवों की चिंता हो रही है, यह अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि मैंने थिएटर किया है और मैं लेखक भी हूँ। जब हम सीन करते हैं तो नैसर्गिक एक्टिंग अपने आप होती है। कई बार हम गलत भी कर देते हैं तो डायरेक्टर हमें टोक देता है।

हिंदूवादियों ने क्रिसमस ट्री में तोड़फोड़ की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। स्कीम नंबर-78 स्थित द हब फूड स्ट्रीट में लगाए गए क्रिसमस ट्री के साथ गुरुवार रात तोड़फोड़ की गई। मौके पर धर्म को लेकर नारेबाजी भी हुई। वहां मौजूद कुछ लोगों ने कथित हिंदूवादी युवकों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने। काफी देर बाद सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को हटाया। फिलहाल इस मामले में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

लसूड़िया पुलिस के अनुसार, स्कीम नंबर-78 स्थित द हब फूड स्ट्रीट पर गुरुवार रात क्रिसमस ट्री लगाया गया था। इसी दौरान एक निजी कंपनी द्वारा एक इवेंट का आयोजन भी किया गया था। रात करीब 10 बजे कुछ युवक वहां पहुंचे और क्रिसमस ट्री में तोड़फोड़ कर दी। इसके बाद उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी, जिसका वीडियो वहां मौजूद लोगों ने बना लिया। इवेंट में मौजूद एक युवती बार-बार माइक से अपील कर कथित हिंदूवादी युवकों को शांत कराने की कोशिश करती रही, लेकिन वे नहीं रुके और काफी देर तक नारेबाजी करते रहे। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। लसूड़िया थाना प्रभारी तारेश सोनी ने बताया कि फिलहाल इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है। वीडियो फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है और शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel
डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट
DGR Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com
वर्ष : 11 अंक : 163 | इंदौर, शनिवार 27 दिसंबर, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

रेप के आरोपी इंजीनियर ने की खुदकुशी, परिजनों का आरोप-

₹60 लाख की डिमांड और ब्लैकमेलिंग ने ले ली जान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर, एजेंसी। ग्वालियर के एक 26 वर्षीय इंजीनियर ने जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी कर ली. मृतक पर डबरा में एक 3 साल की मासूम से रेप का मामला दर्ज था. इंजीनियर की मौत के बाद अब इस मामले में एक नया और चौंकाने वाला मोड़ आ गया है. परिजनों ने बच्ची की मां और उनके वकील पर 30 लाख रुपए की वसूली और 60 लाख रुपए की ब्लैकमेलिंग का गंभीर आरोप लगाया है. मृतक की पहचान लव जाट के रूप में हुई है, जिसने B. Tech किया था और एक मल्टीनेशनल कंपनी (MNC) में कार्यरत था. अप्रैल 2025 में लव छुट्टी पर घर आया था. डबरा में अपने दोस्त आकाश के घर रुकने के दौरान वहां की एक किराएदार महिला ने लव और आकाश पर अपनी 2 साल 11 महीने की बच्ची से कार में रेप करने का आरोप लगाया था.

मप्र में कर्मचारियों को नए साल में मिलेगी बड़ी सौगात

अब 10 लाख तक का इलाज होगा कैशलेस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के लाखों अधिकारी और कर्मचारियों को नए साल में बड़ी खुशखबरी मिलने जा रही है। साल 2026 के प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की सरकार प्रदेश के अधिकारियों, कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए आयुष्मान भारत की तर्ज पर एक भव्य स्वास्थ्य सुविधा योजना शुरू करने वाले हैं। इस प्रस्तावित योजना के तहत अब गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए कर्मचारियों को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्ड के जरिए सीधे होगा इलाज- वर्तमान में मध्यप्रदेश के कर्मचारी पहले खुद इलाज का खर्च उठाते हैं। बाद में विभाग से प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन करते हैं, जिसमें अक्सर पूरा पैसा वापस नहीं मिल पाता। लेकिन नई व्यवस्था में हरियाणा और राजस्थान की तरह अस्पताल में सीधे कार्ड के जरिए इलाज होगा। इसमें सामान्य बीमारियों के लिए 5 लाख और गंभीर स्थितियों में 10 लाख रुपये तक का कवर मिलेगा। इस योजना का लाभ उठाने वाले लाभार्थियों की कुल संख्या संभावित 15 लाख से अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, इसमें लगभग 7.5 लाख नियमित कर्मचारी, 2.5 लाख संविदा कर्मचारी और करीब 5 लाख पेंशनभोगी शामिल हो सकते हैं।

इन अधिकारियों-कर्मचारियों को मिलेगा फायदा

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक और कोटवार जैसे मैदानी अमले को भी इसमें कवर किया जा रहा है। योजना के संचालन के लिए कर्मचारियों के वेतन और पेंशन से 250 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक का मासिक अंशदान लिया जाएगा, जबकि बाकी का बड़ा हिस्सा सरकार वहन करेगी। कर्मचारी संगठनों की लंबे समय से चली आ रही इस मांग को अब कैबिनेट की मंजूरी मिलने की उम्मीद है, जिससे प्रदेश के लाखों परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा की बड़ी गारंटी मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने रखा तर्क

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने बताया है कि प्रदेश में कुल 9.50 लाख पद स्वीकृत हैं। इनमें 6.45 लाख पर कर्मचारी कार्यरत हैं। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार करीब साढ़े 4 लाख पेंशनर्स हैं और संविदा अधिकारी कर्मचारियों की संख्या देखी जाये तो करीब 2 से ढाई लाख है।

गंदगी के बीच बनाई जा रही थी गजक... कार्रवाई

नेताजी सुभाष मार्ग एवं पाटनीपुरा में 2 फैक्ट्रियों को बंद करवाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इंदौर में फूड एंड ड्रग लैब के उद्घाटन अवसर पर मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। उन्हीं निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में दल द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को नेताजी सुभाष मार्ग इंदौर स्थित माँ दुर्गा गजक भंडार पर बड़ी कार्रवाई की गई।

मौके पर मुरैना निवासी मुकेश राठौर प्रतिष्ठान संचालक उपस्थित पाए गए, प्रतिष्ठान संचालक ने जानकारी दी कि वे मुरैना से यहां आए है और शीत ऋतु मे गजक, दाना पट्टी आदि का निर्माण कर छोटे गजक विक्रेताओं को सप्लाई करते है प्रतिष्ठान में गजक, मूंगफली दाना पट्टी का निर्माण किया जा रहा था, परिसर में अत्यंत गंदगी पाई गई, अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों का निर्माण एवं भंडारण किया जाना पाया गया, परिसर मे निर्माण किया जा रहे हैं खाद्य पदार्थ गजक एवं मूंगफली दाना पट्टी के नमूने जांच हेतु लिए गए अस्वच्छ परिस्थितियों के कारण प्रतिष्ठान में खाद्य कारोबार तुरंत प्रभाव से बंद कराया गया।

जय माँ दुर्गा गजक भंडार, पाटनीपुरा इंदौर पर भी की गई कार्रवाई- खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा 56/12 पाटनीपुरा, इंदौर स्थित जय माँ दुर्गा गजक भंडार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रतिष्ठान में गंदगी के बीच गजक का निर्माण बिना वैध खाद्य लाइसेंस के किया जा रहा था। मौके पर मूंगफली दाना टुकड़ी, गुड़, तिल तथा पिस्ता फ्लेवर गजक का निर्माण पाया गया। उक्त सभी खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु विधिवत रूप से संग्रहित किए गए। बिना लाइसेंस खाद्य निर्माण एवं गंभीर रूप से अस्वच्छ परिस्थितियों को देखते हुए संबंधित प्रतिष्ठान का निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से बंद करवाया गया। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लिए गए सभी नमूनों को विस्तृत जाँच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल की ओर भेजा जा रहा है, जिनकी विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त उपरांत अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

बैरिकेड्स फांदा... गायक कैलाश खेर बोले- जानवरगिरी कर रहे आप...

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर, एजेंसी। शहर में बॉलीवुड नाइट के दौरान मशहूर गायक कैलाश खेर के कार्यक्रम में उस वक्त हंगामा मच गया, जब मौजूद भीड़ बेकाबू हो गई। गानों के दौरान लोग बैरिकेड्स फांदकर मंच की ओर बढ़ने लगे। कुछ लोग स्टेज तक पहुंचने की कोशिश करते नजर आए, जिसके बाद कैलाश खेर को अपना गाना बीच में ही रोकना पड़ा। मंच से माइक पर नाराजगी जताते हुए कैलाश खेर ने कहा, "हमारे इक्विपमेंट के निकट नहीं आएं, अगर आए तो हम शो बंद कर देंगे। हमने आपकी प्रशंसा की और आप जानवरगीरी कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस को सक्रिय होना पड़ा और हालात को काबू में किया गया।

मां, 2 और 5 साल के बच्चे फांसी पर मिले

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सागर, एजेंसी। सागर में मां और दो बेटों के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले। महिला का पति और जेठ खेत से घर लौटे तो घटना का पता चला। घटना गुरुवार रात रहली के मैनाई गांव की है। मृतक रचना के जेठ ब्रजेश लोधी ने बताया कि वह और उसका छोटा भाई राजेश (रचना का पति) खेत में सिंचाई करने गए थे। रात करीब पौने 10 बजे वे घर लौटे। दोनों अपने-अपने कमरों की तरफ गए ही थे कि अचानक राजेश के चिल्लाने की आवाज आई। ब्रजेश दौड़कर भाई के कमरे में पहुंचा तो देखा कि बहू रचना (32), भतीजा ऋषभ (5) और छोटा भतीजा राम (2) अलग-अलग फंदे पर लटके हुए थे। यह हत्या है या आत्महत्या अभी इसकी जांच की जा रही है।

विश्वविद्यालय का बाबू प्यून गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। जबलपुर स्थित जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में नौकरी दिलाने के नाम पर 22 वर्षीय युवती से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी विश्वविद्यालय में पदस्थ बाबू 58 वर्षीय दुर्गाशंकर और प्यून मुकेश सेन हैं, जिन्होंने जबलपुर के तिलवारा में रहने वाली युवती को विश्वविद्यालय के कैंपस में बुलाया और कमरे में ले जाकर रेप किया। घटना 25 दिसंबर रात की है। जैसे-तैसे महिला आरोपियों के चंगुल से छूटकर अगले दिन आधारताल थाने पहुंची और दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी और उन्हें उनके घर से गिरफ्तार किया। हालांकि आरोपी अपने आपको निर्दोष बता रहे थे।

बिशप व सहयोगी को चार साल कैद की सजा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

झाबुआ, एजेंसी। जनजातीय क्षेत्र में होने वाला मतांतरण राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय है। इस तरह के एक मामले में झाबुआ के न्यायालय से बड़ा फैसला आया है। मतांतरण करवाने के आरोप में बिशप सहित उनके एक सहयोगी को चार -चार साल की सजा और 50-50 हजार रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। आरोपितों ने 2023 में मुंडत थाना कल्याणपुरा के एक आदिवासी युवक पर मतांतरित होने का दबाव बनाया था। अपर लोकअभियोजक राकेश जोशी ने बताया कि मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा पांच के तहत बिशप पाल पुत्र बापू मुनिया 49 निवासी खुटाया थाना कल्याणपुरा और उनके सहयोगी पीथा पुत्र सड़िया भूरिया 57 निवासी मुंडत को चार -चार साल की सजा और 50-50 हजार रूपये के अर्थदंड से दंडित किया।

मुख्यमंत्री ने वीर बाल दिवस पर गुरुद्वारा हमीदिया में मत्था टेका

सच्चाई और धर्म की रक्षा के लिए वीर साहिबजादों के बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रथम गुरु गुरुनानक देव से लेकर 10वें गुरु तक सिख धर्म के सभी गुरु महाराज और उनके परिवारों ने देश की रक्षा के लिए कुर्बानियां दीं। भारतीय इतिहास में सिख वीरों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वीर बाल दिवस, 10वें सिख गुरु, गुरु गोविंद सिंह के छोटे बेटों की असाधारण वीरता और शहादत की याद दिलाता है।

सिख वीरों के बलिदान की गाथाओं को शामिल किया जाएगा शैक्षणिक पाठ्यक्रम में

साहिबजादा फतेह सिंह और जोरावर सिंह की शहादत पर हर वर्ष वीर बाल दिवस मनाने की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। बहुत छोटी उम्र में साहिबजादों ने अन्याय के सामने झुकने से इनकार कर दिया और धर्म व सच्चाई की रक्षा के लिए महान साहस दिखाया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सच्चाई, हिम्मत और आत्मसम्मान सबसे बड़ी ताकत हैं। आज का दिन भारतीय युवाओं को वीरता, ईमानदारी और दृढ़ता के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। सच्चाई और धर्म की रक्षा के लिए वीर साहिबजादों के बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। राज्य सरकार गुरु गोविंद सिंह और सिख वीरों के बलिदान की गाथाओं को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों की शहादत को समर्पित वीर बाल दिवस पर गुरुद्वारा हमीदिया रोड पहुंच कर माथा टेका तथा संगत को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुद्वारे में मौजूद बच्चों के साथ बैठकर कीर्तन का श्रवण किया और बच्चों को दुलार भी किया। गुरुद्वारा हमीदिया रोड के आयोजन में संपूर्ण व्यवस्थाओं का संचालन बच्चों ने किया। गुरुद्वारे में बच्चों द्वारा कीर्तन दरबार का संचालन किया गया और चित्र प्रदर्शनी भी लगाई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के आयोजन के लिए राज्य सरकार द्वारा सहयोग प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रथम गुरु नानक देव जी की उज्जैन यात्रा और उज्जैन स्थित गुरुद्वारा इमली साहब का उल्लेख करते हुए कहा कि सिख गुरुओं ने सदैव मानवता का मार्ग दिखाया है, उनके आदर्श हमारे लिए प्रेरणा के केंद्र रहेंगे। इस अवसर पर सांसद भोपाल आलोक शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष तथा वरिष्ठ विधायक हेमंत खंडेलवाल, विधायक भगवानदास सबनानी, जिलाध्यक्ष रवीन्द्र यती, वरिष्ठ समाजसेवी सुश्री नेहा बग्गा सहित समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ट्रक में घुसी कार के परखच्चे उड़े, तीन दोस्तों की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

नीमच, एजेंसी। जिले के नयागांव के पास एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार तीन दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा गंभीर रूप से घायल है। हादसा गुरुवार रात करीब पौने 2 बजे मध्य प्रदेश-राजस्थान सीमा पर हुआ। मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ निवासी चारों दोस्त सांवलिया सेठ के दर्शन कर आई-20 कार से लौट रहे थे। नयागांव बैरियर और फाटक के पास कार अचानक अनियंत्रित हो गई और आगे चल रहे ट्रक (ट्रॉले) के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। मृतकों की पहचान मल्हारगढ़ निवासी युवा व्यवसायी पिंकेश मांदलिया, उनके साथी भारत मोरी (डांगी) और लसूड़िया कदमाला निवासी गोवर्धन लसूड़िया के रूप में हुई है, वहीं भैंसाखेड़ा निवासी राय सिंह पिता गोरा कछावा गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

भोपाल के टिंबर मार्केट में फिर लगी आग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। भोपाल के पुल पात्रा स्थित टिंबर मार्केट में शनिवार तड़के पौने 3 बजे आग लग गई। आग सबसे पहले एक फर्नीचर दुकान में लगी, जो बढ़कर आरा मशीन तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने फर्नीचर-आरा मशीन समेत तीन जगहों अपनी चपेट में ले लिया।

आग बुझाने के दौरान आरा मशीन की दीवार गिर गई। जिससे 2 कर्मचारियों समेत समेत 4 लोग घायल हो गए। चारों को फौरन अस्पताल ले जाया गया। भोपाल डेकोरेशन और आरा मशीन अंजुम भाई की बताई जा रही है। जिस जगह आग लगी उसके ठीक पीछे रेलवे ट्रैक है। नगर निगम के बैरागढ़, फतेहगढ़, कबाड़खाना, माता मंदिर, कोलार फायर स्टेशन के अलावा भेल, पुलिस के 22 दमकल वाहन आग बुझाने में जुटे रहे। करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

धरना स्थल पर नहीं पहुंचा कोई अधिकारी, कुत्ते को दिया ज्ञापन

कटनी, एजेंसी। जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की मांग को लेकर जिला जन अधिकार मंच ने पुरानी कचहरी चौराहे पर एक दिवसीय धरना दिया। इस दौरान मंच के पदाधिकारी और कार्यकर्ता घंटों इंतजार करते रहे, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इससे नाराज प्रदर्शनकारियों में आक्रोश फैल गया।

जन अधिकार मंच के पदाधिकारी विंदेश्वरी पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा कटनी में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा से जिले के लोगों में खुशी थी। लेकिन बाद में यह सामने आया कि मेडिकल कॉलेज पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर खोला जाएगा, जिससे जनता में निराशा है। मंच का कहना है कि पीपीपी मॉडल निजीकरण का ही एक रूप है, जिसमें आम लोगों को महंगे इलाज और शिक्षा का बोझ उठाना पड़ता है। धरना स्थल पर किसी अधिकारी के न पहुंचने से नाराज जन अधिकार मंच के पदाधिकारियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक विरोध जताया। उन्होंने प्रशासन की अनदेखी के विरोध में अपना ज्ञापन एक कुत्ते को सौंप दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब प्रशासन जनता की आवाज नहीं सुन रहा, तो यह अनोखा तरीका अपनाना पड़ा।

खजुराहो एयरपोर्ट बना देश का नंबर 1 हवाई अड्डा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खजुराहो, एजेंसी। खजुराहो एयरपोर्ट ने देश के सभी हवाई अड्डों को पीछे छोड़ते हुए नंबर 1 स्थान हासिल किया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) द्वारा जारी 2025 के कस्टमर सैटिस्फेक्शन सर्वे में खजुराहो एयरपोर्ट को यात्रियों की संतुष्टि के आधार पर शीर्ष स्थान दिया गया। इस सर्वे में यात्रियों ने सुविधाओं और स्टाफ के व्यवहार के लिए इसे सर्वोच्च अंक दिए।

एएआई के कस्टमर सैटिस्फेक्शन सर्वे राउंड 2 में एयरपोर्ट का मूल्यांकन स्वच्छता, सुरक्षा और यात्री सुविधाओं जैसे मानकों पर किया गया। सर्वे में यात्रियों से एयरपोर्ट स्टाफ के व्यवहार और उपलब्ध सुविधाओं पर प्रतिक्रिया ली गई। आंकड़ों के अनुसार स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा के हर पैमाने पर खजुराहो एयरपोर्ट को उच्चतम अंक प्राप्त हुए। यात्रियों ने खजुराहो एयरपोर्ट की साफ-सफाई, प्रतीक्षा क्षेत्रों में बैठने की सुविधा, सामान वितरण की तेज व्यवस्था और सुरक्षित माहौल की तारीफ की। एयरपोर्ट स्टाफ का मददगार रवैया भी इसे शीर्ष स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण रहा। एयरपोर्ट डायरेक्टर संतोष सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय पूरी टीम के बेहतर तालमेल और सेवा गुणवत्ता को दिया। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा से यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा रही है।

संपादकीय

K-4 का खौफ: पाकिस्तानी रणनीतिकारों की उड़ी नींद

चीनी जासूसी जहाजों के हिंद महासागर में पहुंचने के बावजूद भारत ने पनडुब्बी से दागी जाने वाली परमाणु मिसाइल लॉन्च कर पूरी दुनिया को अपनी ताकत का अहसास करवाया है। बहुत आसान भाषा में जानिए तो अगले 10-15 सालों तक दुनिया के पास कोई ऐसा एयर डिफेंस सिस्टम नहीं होगा, जो भारत की इस मिसाइल को इंटरसेप्ट कर सके। यानि, भगवान ना करे ऐसी नौबत आए, लेकिन अगर कभी इस मिसाइल को युद्ध में चलाने की नौबत आई, तो समझ लीजिए उस दिन दुश्मन का समूल विनाश होगा। पाकिस्तान की नेशनल कमांड अथॉरिटी के रणनीतिक प्लान्स डिवीजन में आर्म्स कंट्रोल एडवाइजर हैं और पूर्व ब्रिगेडियर डॉ. जाहिर काजमी ने भारत की इस मिसाइल टेस्ट को पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा खतरा और चिंता की बात बताया है। डॉ. जाहिर काजमी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारत की इस मिसाइल लॉन्च को लेकर कई पोस्ट लिखे हैं। जिसमें उन्होंने कहा है कि 'भारत की तरफ से हाल ही में आईएनएस अरिघात से K-4 पनडुब्बी से लॉन्च होने वाली बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM) का सफल परीक्षण सिर्फ भारत की समुद्री परमाणु क्षमता का विस्तार नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे पाकिस्तान की सामरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। डॉ. जाहिर काजमी ने पाकिस्तान की चिंता का इजहार करते हुए लिखा है कि 'करीब 3,500 किलोमीटर रेंज वाली यह मिसाइल भारत को समुद्र के भीतर से परमाणु हमला करने की क्षमता देती है, जिससे उसकी न्यूक्लियर ट्रायड और ज्यादा मजबूत हो गई है। पाकिस्तान के रणनीतिक हलकों में चिंता इस बात की है कि यह क्षमता, अब भारत को लगातार समुद्र में मौजूद परमाणु प्रतिरोध (quasi-continuous at-sea deterrence) की तरफ ले जा रही है।' उन्होंने लिखा है कि 'इस क्षमता के हासिल होने के बाद अब भारत को किसी भी संकट की स्थिति में पहले से कहीं ज्यादा जोखिम लेने का आत्मविश्वास मिल सकता है।' इसके अलावा डॉ. जाहिर काजमी ने अक्टूबर महीने में स्ट्रैटजिक फॉरकास्ट में एक लेख लिखा था, जिसमें भी उन्होंने K-4 मिसाइल को लेकर पाकिस्तान की चिंताओं का इजहार किया था। उन्होंने लिखा था कि 'पाकिस्तान का डर सिर्फ के-4 मिसाइल तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत जिस तरह से समुद्र में अपनी शक्ति का विस्तार कर रहा है, समुद्री परमाणु शक्ति का विस्तार कर रहा है, वो पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा खतरा है।' उन्होंने लिखा था कि 'भारत 2030 के दशक तक 6 परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां (SSBNs) और 6 परमाणु हमलावर पनडुब्बी (SSNs) तैनात करने की योजना पर काम कर रहा है। 7,000 टन वजनी S4-क्लास पनडुब्बियां, जिनमें INS अरिधमान शामिल है, वो जल्द ही ऑपरेशनल होने की कगार पर हैं।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

उद्धार

आजकल विवाह से जुड़ी प्रथाएं इतनी चिंताजनक हो गई हैं कि कुछ भी समझना मुश्किल हो जाता है। इसमें सुधार जरूरी है, लेकिन कम ही लोग ऐसा कर पाते हैं। ऐसे कम ही मां-बाप होते हैं, जो सात बेटों के बाद भी एक बेटी होने पर उसे प्यार से रखते हैं। जैसे ही एक बेटी पैदा होती है, वो उसकी शादी की चिंता में डूब जाते हैं। दुनिया में इस तरह के मां-बाप भी हैं, जो बेटी की किसी वजह से मृत्यु होने पर खुश होते हैं। उन्हें लगता है कि उनके सिर से परेशानी टल गई। इन सबकी वजह दहेज जैसी कुप्रथा ही है। दहेज की रकम दिन-ब-दिन इतनी बढ़ती जा रही है कि लोग लड़की के विवाह के नाम से ही घबराने लगे हैं। पता नहीं कब यह सब खत्म होगा।

बेटा जितने भी क्यों न हों, उन्हें भार नहीं लगता है। उनकी शादी नहीं भी करेंगे, तो कह देंगे कि बेटा कमाओ और खाओ। फिर मन होने पर शादी कर लेना। बेटा का चरित्र खराब भी हो, तो उसे गलत नहीं समझा जाता, लेकिन बेटी का विवाह करवाना जरूरी है। ऐसा नहीं किया और कुछ गलत घटना उसके साथ घट गई तो समस्या हो जाएगी। अगर इस बात को सबसे छुपा लिया, तो कोई दिक्कत नहीं। अगर नहीं छुपा पाए, तब पूरे समाज में नाक कट जाती है। समाज में ऐसा अपमान होता है, जिसका कोई ठिकाना नहीं। पूरा परिवार किसी को मुंह दिखाने के काबिल नहीं रहता है।

दुख की बात यह है, जिन मां-बाप को अपनी बेटी की शादी में दहेज के कारण लाखों परेशानी झेलनी पड़ती है, वो अपने बेटे के विवाह के समय इन सबको भूल जाते हैं। वो अपने बेटे की शादी के लिए दहेज लेना बिल्कुल नहीं भूलते। उन्हें लड़की के परिवार वालों से बिल्कुल भी सहानुभूति नहीं होती, बल्कि वो अपनी बेटी की शादी में दिए गए दहेज को भी मिलाकर बेटे की शादी में लेने की कोशिश करते हैं। इस दहेज की चिंता के कारण ही कितने मां-बाप अपनी बेटी का विवाह बूढ़ों से कर देते हैं, ताकि उनका पीछा छूटे और कुछ तो बेटियों को विवाह के नाम में कुछ पैसे लेकर किसी के घर भेज देते हैं।

गुलजारी लाल भी एक ऐसे ही पिता थे, जिन्हें अपनी बेटी की शादी की चिंता खाए जा रही थी। यूं तो उनकी आर्थिक स्थिति ठीक थी और वो महीने में दो से ढाई सौ रुपये आसानी से कमा लेते हैं। दो बेटे भी थे, जिन्हें पालना था। ऊपर से बेटी के बड़े होने की टेंशन अलग। बेटी की शादी करने के लिए अच्छा घर भी चाहिए।

होते-होते एक दिन गुलजारी लाल को एक पढ़ा-लिखा योग्य लड़का मिला। उसके पिता आबकारी विभाग में नौकरी करते थे। इन सबके बारे में गुलजारी लाल ने अपनी पत्नी से बात की। फिर उसने कहा कि परेशानी बस ये है, लड़का शादी नहीं करना चाहता है। उसके पिता ने उसे बहुत समझाया, लेकिन वो किसी की नहीं सुनता। उसने कहा है कि वो जीवन में कभी शादी नहीं करना चाहता। समझ नहीं आ रहा है कि वो शादी से इतनी नफरत क्यों करता है।

गुलजारी लाल की पत्नी ने कहा कि एक दिन उसे बुलाकर अकेले में बात कर लो।

उसने पत्नी को बताया कि बुलाया था मैंने। काफी देर तक कारण पूछा, लेकिन वो कुछ नहीं बोला। मैंने रोते हुए उससे आखिर में पूछा, तो वहां से चला गया।

वह भुनभुनाते हुए बोलने लगी कि बेटी की वजह से पता नहीं क्या सब दिन देखना पड़ेगा।

गुजारी लाल बोला, "नहीं, इस जमाने के लड़के होते ही ऐसे हैं। पढ़ लिखकर उन्हें पता नहीं क्या हो जाता है कि वो जिंदगी भर अविवाहित रहना चाहते हैं। वो आजाद अकेले ही रहना चाहते हैं। इसी में अपनी खुशी समझते हैं।

पत्नी बोली, "बात बिल्कुल सही है। अगर तुमने शादी न की होती, तो ये सारी चिंताएं न होती। हम सब खुश होते।"

कुछ वक्त गुजरने के बाद गुलजारी लाल को विवाह के लिए मना करने वाले लड़के की तरफ से एक पत्र आया। उसमें लिखा था –

अंकल प्रणाम,

मैं आपको यह खत काफी दुविधा में लिख रहा हूं। आपके द्वारा मेरे घर रिश्ता लाने के बाद से ही माता-पिता मुझपर शादी का खूब दबाव बना रहे हैं। मां रोती हैं, तो पिता नाराज हैं। उन्हें लग रहा है कि मैं जिद की वजह से शादी नहीं कर रहा हूं, लेकिन मैं इसकी असली वजह उन्हें नहीं बता पाता हूं। अगर उन्हें पता चला तो हो सकता है कि उनके प्राण निकल जाएं। आज मैं अपनी इस गुप्त बात के बारे में आपको बता रहा हूं। इसे राज ही रखिएगा। किसी भी तरह मां-बाप को यह बात पता नहीं चलनी चाहिए। मुझे लग रहा है कि 5-6 महीने से मुझे क्षय रोग यानी टीबी हो गया है। उसी के लक्षण मुझे खुद में दिख रहे हैं। जांच में भी यह स्पष्ट हो गया है कि मैं अधिकतम दो साल तक ही जिंदा रह सकता हूं। ऐसे में अगर मैंने शादी कर ली, तो मेरी पत्नी को और बच्चा होने पर उसे भी यह बीमारी लग जाएगी। अभी मैं खुद इस रोग की पीड़ा को झेलता हूं। विवाह कर लिया, तो सबको दुख होगा। अब मेरा आपसे अनुरोध है कि मुझे किसी तरह के बंधन में मत बांधिए।

सेवक,

हजारी लाल

चिट्ठी पढ़ने के बाद गुलजारी लाल ने अपनी पत्नी से पूछा कि तुम्हें क्या लग रहा है?

उसकी पत्नी ने कहा कि मुझे लगता है कि ये बहाना बना रहा है।

"मुझे भी ऐसा ही लगता है। बीमार इंसान वैसा नहीं दिखता है, जैसा वो दिख रहा था", जवाब में गुलजारी लाल बोला।

पत्नी बोली कि ठीक है अब भगवान का नाम लेकर शादी कर दो, जो होगा देखा जाएगा।

गुलजारी लाल ने कहा, " मैं भी ऐसा ही कुछ विचार कर रहा हूं।"

गुलजारी लाल की पत्नी ने फिर कहा कि एक बार आप डॉक्टर को ही दिखा दीजिए। ऐसी बीमारी हुई, तो बेटी अम्बा के साथ बुरा होगा।

गुलजारी एकदम बोल पड़ा, "अरे, तुम इन नौजवान लड़कों को नहीं जानती हो। ये सब ऐसे ही बोल रहा है।"

पत्नी बोली, "फिर जल्दी से शुभ मुहूर्त निकालकर इनका विवाह करवा देते हैं।

इतना सब बताने के बाद भी जब हजारी लाल का विवाह तय हो गया, तो उसे बड़ी हैरानी हुई। उसके मन में हुआ कि अब मैं क्या कर सकता हूं। फिर उसके दिमाग में हुआ कि डॉक्टर का पर्चा इन्हें भेज देता हूं, लेकिन तब लगा कि नकली पर्ची बनाना भी मुश्किल नहीं होता है। ऐसे में वो मेरा विश्वास कैसे करेंगे। उसने सोचा कि सब कुछ जानते हुए भी मैं विवाह करके उस लड़की को विधवा नहीं बनने दे सकता हूं।

परेशान होकर वो अपने पिता के पास चला गया। रात का समय था। उसके पिता चारपाई पर लेटे हुए थे। पिता ने उससे पूछा कि बेटा क्या हुआ तुम परेशान लग रहे हो। हजारी लाल कहा कि मुझे आपसे कुछ कहना है। मैंने लंबे समय से एक बात छुपा रखी है। फिर उसने अपनी बीमारी की सारी बात बता दी और कहा कि मेरी जिंदगी के कुछ ही दिन बचे हैं। डॉक्टर ने भी मुझे विवाह न करने की सलाह दी है।

हजारी लाल के पिता दरबारी लाल ने अपने बेटे की ओर कुछ देर चौंककर देखा। फिर कहा कि बेटा इस स्थिति में तो शादी करना और जरूरी है। भगवान न करे कि तुम्हें कुछ हो जाए, लेकिन विवाह के बाद तुम्हारा बच्चा तो हमारे पास रहेगा। उसका मुंह देखकर ही हम जिंदा रहे लेंगे। डॉक्टर सबकुछ नहीं जानते हैं। क्या पता तुम्हें स्वस्थ बच्चा हो।

हजारी लाल के पास इन सारी बातों का कोई जवाब नहीं था। वो चुपचाप अपने कमरे में आकर लेट गया।

तीन दिन बीत गए, लेकिन वो कुछ नहीं कर सका और बारात की तैयारी होने लगी। उसके मन में हुआ कि कैसे माता-पिता हैं, जो अपनी बेटी को ही इस तरह के रिश्ते में बांध रहे हैं। मेरे मां-बाप भी ऐसे ही हैं। उस बेचारी लड़की का क्या दोष है। यह सब सोचकर हजारी लाल उठा और चुपचाप कहीं चला गया। उस दिन के बाद से किसी ने दोबारा हजारी लाल को नहीं देखा।

उसे ढूंढने के लिए उसके माता-पिता ने क्या कुछ नहीं किया। पुलिस को उसका चित्र दिया, आसपास के कुएं में देखा और अखबारों में विज्ञापन निकाल दिया।

कुछ हफ्ते बीतने के बाद रेलवे के पास से कुछ हड्डियां पड़ी मिलीं। सबको लगा कि हजारी लाल ने रेल के नीचे आकर अपनी जान दे दी है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि वो हड्डियां किसकी हैं।

वक्त गुजारा और तीज आया। अम्बा ने भी अपने पति के लिए व्रत रखा हुआ था। तभी अम्बा के पति ने आकर कहा कि तुम्हारे लिए मुंशी दरबारी लाल के यहां से तीज का तोहफा आया है। फिर उसके पति ने पूछा, "ये तुम्हारे कौन हुए?" अम्बा के मन में हुआ कि यह तो उसी देवता के पिता हैं, जिन्होंने मुझे नरक में जाने से बचाया है। अपने जीवन का बलिदान दे दिया, लेकिन मेरे जीवन को खराब नहीं होने दिया। इतना सब कुछ सोचकर अम्बा ने अपने पति के सवाल के जवाब में कहा कि वो मेरे चचा लगते हैं।

फिर अम्बा के पति ने पूछा कि हजारी लाल कौन हैं। पत्र में उनके नाम का जिक्र है।

जवाब में अम्बा बोली, "यह मुंशी दरबारी के पुत्र हैं।

पति ने पूछा, "अच्छा, तो ये तुम्हारे चचेरे भाई हुए?"

अम्बा ने कहा, "नहीं-नहीं, वो काफी दयालु इंसान थे। मुझे सुखी जीवन का वरदान देने और डूबने से बचाने वाले इंसान थे।"

यह सब सुनकर अम्बा के पति के मन में हुआ कि निश्चित रूप से ही वह कोई देवता होगा।

कहानी से सीख :

इंसान को स्वार्थ में इस तरह से नहीं पड़ना चाहिए कि उसे और कुछ न सूझे। हमेशा दूसरों के हित के लिए ही सोचना चाहिए।

Paschim Bangal

इंडिगो की फ्लाइट में 100+ यात्रियों का हंगामा : मौसम में खराबी से हैदराबाद-दरभंगा फ्लाइट डायवर्ट, कोलकाता में फंसे पैसेंजर्स

दरभंगा, (एजेंसी) खराब मौसम के चलते हैदराबाद से दरभंगा आ रही फ्लाइट को डायवर्ट किया गया है। 100 से ज्यादा यात्री कोलकाता में फंसे हैं। यात्रियों ने फ्लाइट के अंदर ही जमकर हंगामा किया है। विमान के अंदर हंगामे का वीडियो भी सामने आया है।

हैदराबाद से दरभंगा आने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6E 537 को निर्धारित समय दोपहर 2.05 बजे दरभंगा में उतरना था, लेकिन मौसम खराब होने के कारण विमान को कोलकाता डायवर्ट कर दिया गया। दरभंगा उतरने वाले यात्री अचानक कोलकाता पहुंच जाने से नाराज हो गए। विमान के अंदर ही यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया और पायलट और एयरलाइन स्टाफ पर दरभंगा पहुंचाने का दबाव बनाने लगे।

Uttarpradesh

किशोरों के स्मार्टफोन पर बैन, लड़के-लड़कियों के हाफ-पैंट पहनने पर भी रोक

खाप पंचायत का फरमान

बागपत, (एजेंसी) यूपी के बागपत जिले की खाप पंचायत ने किशोरों के लिए स्मार्टफोन और लड़कों-लड़कियों दोनों के लिए हाफ-पैंट पर पाबंदी लगाने का फैसला किया है। पंचायत ने इसे पश्चिमी प्रभावऔर सांस्कृतिक मूल्यों की सुरक्षा के लिए जरूरी बताया। साथ ही, पंचायत ने शादियों के लिए भी नई गाइडलाइन लागू की हैं।

पंचायत की गाइडलाइन के मुताबिक विवाह समारोह केवल गांव या घर में आयोजित होंगे, मैरिज हॉल में नहीं। इसके अलावा अतिथि सूची सीमित होगी और खर्च नियंत्रित रखा जाएगा। अब शादी के निमंत्रण व्हाट्सएप के माध्यम से भेजे जाएंगे। वहीं, 18 से 20 साल से कम उम्र के किशोरों के लिए स्मार्टफोन का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए हाफ-पैंट पर रोक होगी। पंचायत का कहना है कि यह कदम पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देने और अवांछित प्रथाओं को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है।

खाप सदस्य चौधरी ब्रजपाल सिंह ने कहा, 'समाज का निर्णय सर्वोपरि है। राजस्थान में लिए गए फैसले की हम भी सराहना करते हैं। बच्चों को परिवार और बुजुर्गों के साथ बैठकर उचित शिक्षा और सामाजिक मार्गदर्शन मिलना चाहिए। 18-20 साल के लड़कों को फोन की जरूरत नहीं है। इस फैसले को बढ़ावा देने के लिए गांवों में जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।' वहीं, दगड़ खाप के चौधरी ओमपाल सिंह ने कहा, 'लड़कियों को मोबाइल देने से गलत आदतें पड़ सकती हैं। यही नियम लड़कों पर भी लागू होगा। फोन केवल घर में ही रखा जाना चाहिए।'

स्थानीय निवासी नरेश पाल ने कहा, "यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। स्कूल में मोबाइल अलग है, घर पर इसे नियंत्रित करना जरूरी है। यह फैसला समय पर और उचित है।"

Bihar

बंद कमरे में अंगीठी जलाकर सोया था परिवार... चार लोगों की दर्दनाक मौत

छपरा, (एजेंसी) बिहार के छपरा जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है. यहां ठंड से बचने के लिए कमरे में अंगीठी जलाकर सोने से चार लोगों की मौत हो गई. इस घटना में चार अन्य लोगों की हालत गंभीर है, जिन्हें इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मृतकों में तीन बच्चे और एक 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला शामिल हैं.

जानकारी के अनुसार, यह घटना भगवान बाजार थाना क्षेत्र के अम्बिका भवानी मोहल्ले की है. यहां ठंड के कारण एक परिवार के लोग रात में एक बंद कमरे में अंगीठी जलाकर सो गए थे. देर रात अंगीठी से निकलने वाली जहरीली गैस कमरे में भर गई, जिससे सभी लोग बेहोश हो गए. सुबह जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो आसपास के लोगों को अनहोनी की आशंका हुई. इसके बाद घर का दरवाजा खोला गया तो अंदर का नजारा देखकर लोग सन्न रह गए.

स्थानीय लोगों की मदद से सभी को तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया. वहीं चार अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका इलाज जारी है.

New Delhi

दिल्ली में एक रात में 285 लोग गिरफ्तार, नए साल से पहले अपराध पर पुलिस का 'बड़ा आघात'

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली पुलिस ने नए साल के जश्न से पहले शुक्रवार को रातभर राजधानी में बड़ा ऑपरेशन चलाया। इस कार्रवाई में संगठित अपराध को रोकने के लिए सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार करने के साथ ही हथियार, ड्रग्स और बड़ी मात्रा में कैश जब्त किया गया है। साउथ ईस्ट दिल्ली पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन आघात 3.0' के तहत की गई इस कार्रवाई में पूरी रात कई जगहों पर एक साथ छापेमारी की गई।

डीसीपी साउथ ईस्ट हेमंत तिवारी ने बताया कि ऑपरेशन आघात 3.0 के तहत एक्साइज एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और गैंबलिंग एक्ट के तहत 285 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। निवारक कार्रवाई के तहत 504 लोगों को पकड़ा गया। 116 बैड कैरेक्टर (BCs) को पकड़ा गया है। 10 प्रॉपर्टी चोरों और पांच ऑटो-लिफ्टरों को

गिरफ्तार किया गया है।

21 सीएमपी, 20 जिंदा कारतूस और 27 चाकू जब्त किए गए। 12,258 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की गई। 6.01 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। जुआ खेलने वालों से 2,30,990 रुपये जब्त किए गए। 310 मोबाइल फोन बरामद किए गए। 231 दोपहिया वाहन और 1 चार पहिया वाहन जब्त/बरामद किए गए।

खेल

विजय हजारे ट्रॉफी में विराट कोहली का तूफानी अंदाज

29 गेंदों में जड़ा अर्धशतक पर सेंचुरी से चूके

बंगलूरू। विजय हजारे ट्रॉफी 2025/26 में विराट कोहली ने एक बार फिर अपने क्लास और फॉर्म का शानदार नमूना पेश किया। शुक्रवार, 26 दिसंबर को बंगलूरू स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड नंबर एक पर गुजरात के खिलाफ खेले गए मुकाबले में कोहली ने 61 गेंदों पर 77 रन की तेजतर्रार पारी खेली। हालांकि, वह लगातार दूसरी सेंचुरी लगाने से चूक गए। इससे पहले कोहली ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में आंध्र प्रदेश के खिलाफ शानदार शतक जड़ा था, जिससे उनकी घरेलू क्रिकेट में वापसी बेहद प्रभावशाली रही।

दूसरे ओवर में क्रीज पर आए, अपनाया तूफानी अंदाज-दिल्ली की पारी की शुरुआत खराब रही और ओपनर प्रियंश आर्या दूसरे ही ओवर में गजा की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद विराट कोहली जल्दी क्रीज पर आए और आते ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट्स खेले और शुरुआत में ही चौकों की झड़ी लगा दी। कोहली ने महज 16 गेंदों में 30 रन पूरे कर लिए और उनका स्ट्राइक रेट 190 से ऊपर चला गया। गुजरात के गेंदबाजों को उनकी टाइमिंग और शॉट सिलेक्शन के सामने कोई जवाब नहीं सूझ रहा था।

29 गेंदों में अर्धशतक, फिर बदली भूमिका- विराट कोहली ने सिर्फ 29 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि, दूसरे छोर पर अर्पित राणा संघर्ष करते नजर आए। इसके बाद दिल्ली को लगातार झटके लगे और अर्पित राणा (10) और नीतीश राणा (22 गेंदों में 12 रन) सस्ते में पवेलियन लौट गए। लगातार गिरते विकेटों के चलते कोहली को अपनी स्वाभाविक आक्रामक बल्लेबाजी पर लगाम लगानी पड़ी और पारी को संभालने की जिम्मेदारी निभानी पड़ी। दिल्ली को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाने के लिए उनका टिके रहना जरूरी हो गया था।

विराट कोहली आखिरकार 61 गेंदों पर 77 रन बनाकर सीटी गजा की ही गेंद पर आउट हुए। अपनी पारी के दौरान उन्होंने 13 चौके और एक छक्का लगाया। हालांकि वह शतक से चूक गए, लेकिन उनकी यह पारी पूरी तरह मनोरंजक रही। हालांकि, इस मैच का प्रसारण नहीं हो रहा है। बंद दरवाजों के पीछे हो रहे इस मैच में दर्शकों को मैदान के अंदर जाने की इजाजत नहीं है।

जयपुर में रोहित शर्मा का निराशाजनक दिन- जहां एक ओर विराट कोहली ने शानदार फॉर्म जारी रखा, वहीं दूसरी ओर रोहित शर्मा के लिए विजय हजारे ट्रॉफी का दूसरा मुकाबला यादगार नहीं रहा। सिक्किम के खिलाफ 94 गेंदों पर 155 रन की तूफानी पारी खेलने के बाद, रोहित मुंबई के अगले मैच में उत्तराखंड के खिलाफ गोल्डन डक पर आउट हो गए। रोहित ने पहले ही ओवर में देवेंद्र सिंह बोहरा की गेंद पर पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे फाइन लेग पर खड़े जगमोहन नागरकोटी के हाथों में चली गई।

सिनेमा

60 साल के हुए सलमान खान, कमाई शोहरत-दौलत, लेकिन अधूरी रही दबंग खान की ये ख्वाहिश

सलमान खान, नाम ही काफी है. सलमान का नाम जुबान पर आते ही दिमाग में बहुत सारी बातें चलनी लगती हैं. सलमान हिंदी सिनेमा के सक्सेसफुल सुपरस्टार में से एक हैं. 27 दिसंबर को दबंग खान अपना 60वां जन्मदिन मना रहे हैं. सलमान के जन्मदिन पर अगर बातें करने निकले, तो शायद एक किताब लिख सकते हैं. लेकिन अभी उस पर नहीं जाएंगे. बता करेंगे उनकी एक अधूरी ख्वाहिश की, जिसे उनके चाहने वाले पूरी होते हुए देखना चाहते हैं. हिंदी सिनेमा में सलमान खान का बोलबाला है. सलमान जिस पर अपना हाथ रख देते हैं, उस शख्स की किस्मत बन जाती है. ये भी सच है कि आज के समय में लोग उनसे पंगा लेने से डरते हैं. सलमान ने इंडस्ट्री में जो भी शोहरत और दौलत कमाई है, वो सब अपने दम पर हासिल किया है. आज उनके पास लग्जरी रहने के लिए लग्जरी घर, फार्महाउस और घूमने के लिए महंगी गाड़ियां हैं. सलमान के पास इतना पैसा है कि वो ठाठ-बाठ के साथ अपनी जिंदगी गुजार सकते हैं. सबकुछ होकर भी सलमान निजी जिंदगी में खुद को थोड़ा अकेला महसूस करते हैं. इंडस्ट्री में उनके कई अफेयर हुए. बात शादी तक भी पहुंची, लेकिन हो नहीं पाई. सलमान को इस बात का बिल्कुल मलाल नहीं है कि उनकी शादी नहीं हुई. पर वो पिता बनने की इच्छा रखते हैं.

Highlights

1. **Male nurse arrested for colleague's murder in Bengaluru**
2. **Turno plans ₹50 crore pre-Series B to scale EV financing**
3. **GBA invites tenders for GIS-based Bengaluru master plan**
4. **Indian-origin Islamic preacher who visited Pakistan booked by ED**
5. **Around 100 people detained after violence in Rajasthan's Chomu: Police**

Indian railway stocks surge as fare hikes, pre-budget optimism trim 2025 losses

NEW DEIHI, (Agency). Indian railway stocks have staged a sharp recovery in December 2025 to trim annual losses, as a confluence of positive triggers brings investors back to the sector.

On Friday, shares of Indian Railway Finance Corp. Ltd. (IRFC), Rail Vikas Nigam Ltd. (RVNL), Railtel Corp. of India Ltd., and IRCTC Ltd. rose 3%-12% even as the benchmark Sensex ended the day 0.43%, underscoring the rally in railway stocks the final weeks of the year, driven by a ticket price hike, pre-budget optimism, and strategic corporate developments.

A primary catalyst for the surge in railway stocks is Indian Railways' decision to implement a revised fare structure effective 26 December 2025. According to Livemint, the new policy hikes fares by 1 paisa per km for sleeper and first-class journeys beyond 215 km. For Mail and Express trains (including AC classes), fares have been raised by 2 paise per km. While the hike is modest for individual passengers—adding roughly ₹10 to a 500 km non-AC journey—the cumulative impact is significant. The Ministry of Railways expects this move to generate ₹600 crore in additional revenue in the ongoing fiscal. This is the second ticket price hike of FY26, following a similar move in July, signaling the government's intent to improve the operating ratio of the national transporter. Union Budget 2026: Capex story to continue?- Investors are also positioning themselves ahead of Union Budget 2026. The railways sector, a key beneficiary of the government's capital expenditure push, is expected to see its allocation rise by 10-12% to nearly ₹3 lakh crore. According to Motilal Oswal, the market anticipates continued funding for major modernisation projects, including the rollout of 300-400 Vande Bharat sleeper trains and the expansion of the 'Kavach' safety system. This expectation has fueled a "relief rally" in capex-heavy stocks like RVNL and IRFC, which had corrected sharply earlier in the year.

Coforge to acquire US-based AI firm Encora in $2.35-billion, share-swap deal

NEW DEIHI, (Agency). Coforge Ltd. has agreed to acquire Encora Inc., a Silicon Valley-based software engineering firm, at an enterprise valuation of $2.35 billion, betting on the surging demand for AI-driven technology services.

The Coforge-Encora acquisition will be funded via a preferential allotment of equity shares valued at about $1.89 billion, according to an exchange filing on Friday (26 December 2025). Coforge will also pay off Encora's debt through a fundraising of up to $500 million, by way of a bridge loan or via a qualified institutional placement of its shares.

Upon completion of the deal, Encora's current shareholders—including private equity firms Advent International and Warburg Pincus—will hold about 20% of the expanded share capital of Coforge.

"The Encora acquisition is a defining moment for our organisation," Coforge's Chief Executive Officer Sudhir Singh said in a statement. "It establishes a scaled AI-led engineering capability moat for the firm, underpinned by capabilities to help create enterprise data cores and cloud foundations purpose built for AI."

Coforge-Encora deal: Financial outlook

The Coforge-Encora combine is expected to create a technology services entity with roughly $2.5 billion in annual revenue, of which $2 billion will come from AI-led engineering services alone. That would help the Noida-based company leapfrog Persistent Systems Ltd., Mphasis Ltd. and Hexaware Technologies Ltd. to become India's seventh largest IT services firm.

Encora, which markets itself as an "AI-native" firm, is projected to post revenue of $600 million for FY26, with an adjusted EBITDA margin of ~19%. The firm specialises in digital engineering services for Fortune 1000 companies and operates a proprietary Agentic AI platform.

Coforge expects the acquisition to be accretive to earnings per share in FY27. The combined business is targeting an EBIT margin of 14%.

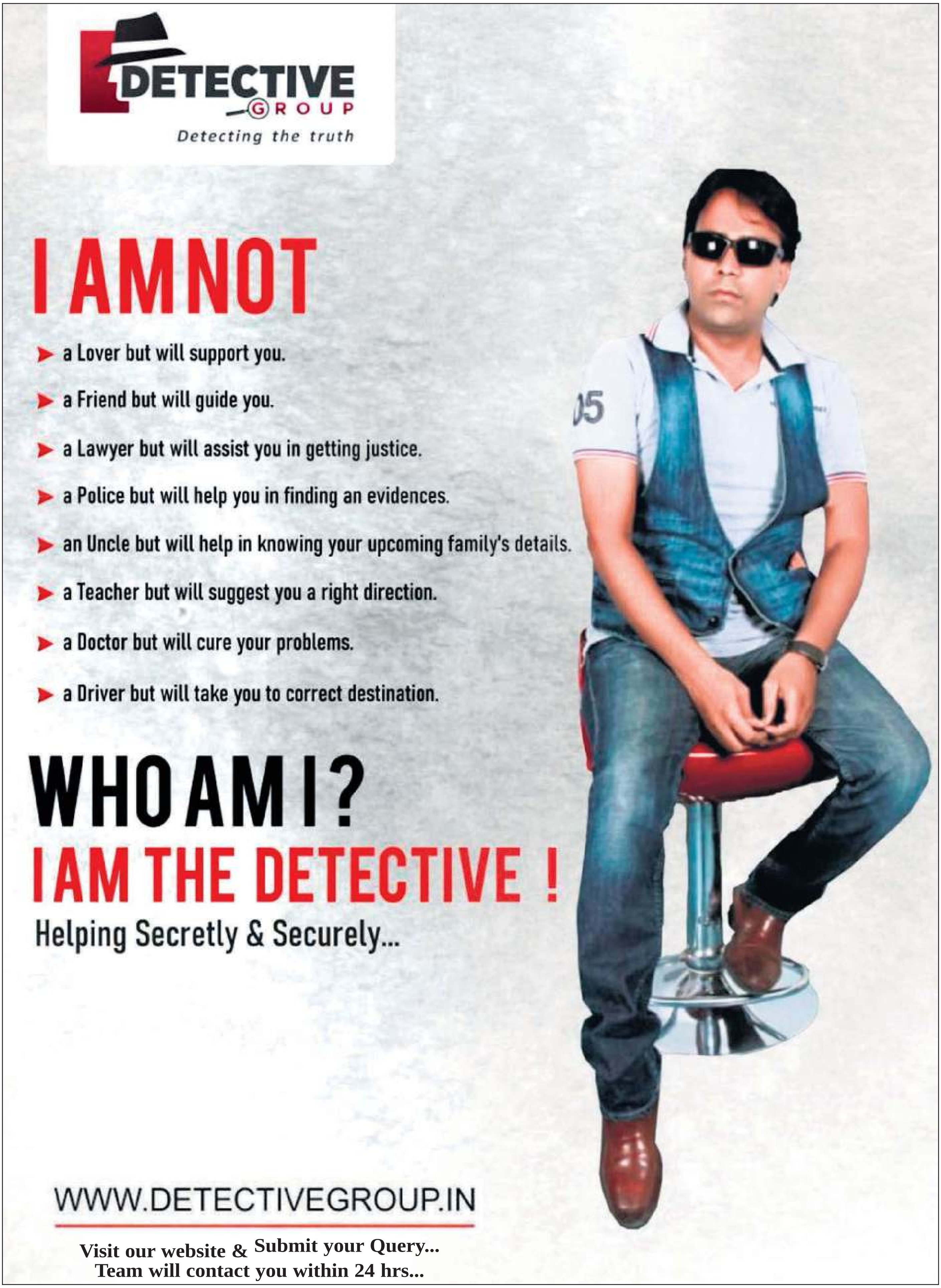

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक